of the above, functions at Bhopal. Further, Regional Coaching Centres in Aizwal, Nahar Lagun, Imphal; Agartala, Port Blair, Jamshedpur; Kohima, Shillong and Mandi are located in or near tribal areas.

(iii) The scheme of setting up of Sports Hostels in the country initiated by the Netaji Subhas National Institute of Sports.

(iv) The Scheme of Sports Talent Search Scholarships of the Department implemented by the Netaji Subhas National Institute of Sports.

(v) The scheme of setting up of Field Stations of the Society for National Institutes of Physical Education and Sports (SNIPES) in universities implemented by the Netaji Subhas National Institute of Sports. In Madhya Pradesh, four such field stations in universities at Raipur, Jabalpur, Bhopal and Sagar are functioning.

(vi) Incentive Scheme for promotion of Sports and games in schools through prize money.

(vii) The scheme entitled 'Promotion of Sports in Special Areas' launched by the Sports Authority of India for spotting and nurturing sports talent mainly in tribal areas.

Extension of Railway container service to Trivandrum, Madurai and Trichy stations

*288. SHRI R. T. GOPALAN:
SHRI M. VINCENT:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that at present the railway container service is operating only upto Madras and is not extended to Trivandrum, Madurai and Trichy; and

(b) if so, what steps are contempleted to extend this facility to other important stations also, keeping in view the great demand for this quick transport service?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) Yes, Sir.

(b) The feasibility of opening Domestic Container Terminals at Trivandrum, Madurai and Tiruchirappalli, on the Southern Railway was examined but not found financially justified due to inadequate traffic prospects.

Corporation for Calcutta Telephones

*291. SHRI GURUDAS DAS GUPTA:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the Minister of COMMUNICATION be pleased to state:

(a) whether Government are considering a proposal for bringing Calcutta Telephones under a corporation; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI ARJUN SINGH): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

आयुर्वेदिक तथा यूनानी चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहन

*293. **श्री शमीम अहमद सिद्दीकी :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अब अधिकाधिक लोग यूनानी तथा आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों को अपना रहे हैं और इन चिकित्सा पद्धतियों से उपचार करने वाले सरकारी औषधालयों की संख्या बहुत कम है ; और

(ख) आयुर्वेदिक तथा यूनानी चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहन देने के लिये सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) और (ख) मंत्रालय में उपलब्ध सूचना के अनुसार यूनानी और आयुर्वेदिक पद्धतियों के औषधालयों और अस्पतालों की संख्या इस प्रकार है :—

	1983		1984		1985	
	यूनानी	आयुर्वेद	यूनानी	आयुर्वेद	यूनानी	आयुर्वेद
औषधालय	825	10682	854	10940	861	11942
अस्पताल	75	1274	98	1451	100	1459

औषधालयों और अस्पतालों की संख्या की निरन्तर वृद्धि से यह माना जा सकता है कि अब अधिकांश लोग इन पद्धतियों को अपना रहे हैं। औषधालयों की यह संख्या अधिक न हो किन्तु यह निश्चित रूप से बहुत कम नहीं है। इसके अलावा, देश में यूनानी और आयुर्वेद के लगभग 2.71 लाख चिकित्सक (1.4.1984 की स्थिति के अनुसार) हैं जो लोगों को सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियों को बढ़ावा देने के लिये सरकार यह समझती है कि स्टेन्डर्डस/क्वालिटी कन्ट्रोल बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करने के लिये सरकार ने गाजियाबाद में भेषज संहिता प्रयोगशालायें स्थापित की हैं—इनमें से एक होम्योपैथी को और दूसरी भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की है। दो फार्मूलरी आयुर्वेद की, एक यूनानी की और एक सिद्ध की प्रकाशित की गई है। आयुर्वेद की 80 एकल औषधियों के भेषजाय मानकों को भी अंतिम रूप दे दिया गया है।

सरकार ने जयपुर में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना की है। इसी तरह राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा पद्धति संस्थान, बंगलौर में स्थापित किया जा रहा है।

आयुर्वेद और यूनानी के लिये अलग-अलग अनुसंधान परिषदें स्थापित की गई हैं। ये परिषदें क्लीनिकल अनुसंधान, औषध अनुसंधान, औषध मानकीकरण, साहित्य इन चिकित्सा पद्धतियों के औषध निर्माताओं के लिये सही कच्ची सामग्री की मांग और सप्लाई सुनिश्चित करने, पादपों की उन प्रजातियों को जिनकी सप्लाई या तो कम है अथवा जिनका विलोप हो रहा है, खेती करने / पुनर्जीवित करने के उपायों पर विचार करने के लिये इस मंत्रालय ने औषधीय पादपों पर क्षेत्रीय संगोष्ठियां आयोजित की थीं। इसके अलावा, मानक और सही औषधियों की निरन्तर सप्लाई सुनिश्चित करने के लिये राज्यों को केन्द्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत सहायता दी जाती है जिससे कि वे अपनी मौजूदा क्षमता को बढ़ा सकें और फार्मेसियों से सम्बद्ध जड़ी-बूटी उद्यानों का विकास कर सकें।

Licences for production of medicines

@*294. SHRI RAFIQUE ALAM: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) what are the main requirements on the basis of which manufacturing licences for production of finished medicines and bulk drugs are granted;

(b) whether the state or central drug authorities make pre-licensing inspection;

(c) what is the validity period of manufacturing licence;